## 

LBEING A CONTINUATIDN OF THE STAAR:

|  | Saint Jo | N, TUESDAY, JANUARY | 4, 1831. | Vol. |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| catli |  |  |  |  |
| the nein xesi. |  |  |  |  |
|  | bridled state of his impulses. He felt, but ne-ver reasoned.-Galt's Life of Byron. |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | HIS MAJESTY'S SPEECH AT LEWES. On the 2lst Oct. their Majesties and suite honored Lewes with a visit. They were re- |  |  |  |
|  | ceived by the authorities and the inhabitants with every demonstration of loyalty and affec- |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | addressed their Majesties, and to $w$ King replied in the following speech |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | Sole |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  | Hocsion |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| iscellanea |  |  |  |  |
|  |  |  | mis |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | and |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | and |
|  |  | $\qquad$ |  |  |
|  |  | willi fostering eare brought to some maturity, yuu will naturally say, that I have been twenty long years an:d |  | con |
|  |  | aremy |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | and |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | and |  | Namen |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| Per |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| cain |  |  |  |  |
|  | din |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| eqinitu may teaptited correity |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| known nothing of the man ; the main defec |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |

